

ॐ	ॐ
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय	

ॐ नमो भगवते
 वासुदेवाय
 ॐ नमो भगवते
 वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

हं नमः शीवजसलाया ॥ कर्मचार्य नमिगुचिकयदे नयुधदिगीगलायुजयन ॥
यवगवस्म ॥ ॥ यवद्वायणिनासाडदयगिनिमहायकर्मधवायाफो नानायया
बदलानमवगमनदेकाकिलानाना दवमोऽशीमानविस्मस्मावदुनलदुल
वायवृकर्मकाययकी ॥ कालावीस्मिन्नामाययानिकिबस्माववनाय नमाम्
यस्मात् ॥ ॥ क्रिययुगनकलगयुजा ॥ यवमधेजाय धान ॥ सटिनि
वकावर्जयविनर्गनानावनमयकलगमाकावर्जशुक्रधमादया कवस्मिन्

वृत्तद्वयविमिहविष्णुककस्मिन्कार्यावल्लमसु ॥ उंकावर्जययुग्म
वर्जयकलनिवस्मिन्सुयुग्मलययुवर्जवनमकूटमसुिनजटाविठयिगं
विचिगवस्मावलावलावस्मस्ववधर्वम् नवयसिनयीनवकहविनक्तुवृत्तम्
स्वयंयुवर्जययुग्माकायासवजवाधुयीमुद्राधर्व ॥ अयवर्जुकायाश्चनम्
दाहनीयवर्जुकायाश्चकमालायकधर्ववर्जुयुवर्जुकायाश्चवायधर्वगरगवक
उगर्जुवर्जुवावनीविलायास्वद्विजमयस्वीकुलीहानाकुलीहानाकुली

[illegible]

वज्रं कृत्वा महावीर्यं दत्त्वा मातुष्यमर्द्धकं च सर्वगं कुरुद्वयं दत्त्वा सर्वरूपं नमस्तस्य ॥
 वलि ॥ यथा ॥ ३ ॥ ॥ वज्रं वागमय ॥ मण्डिनिर्वृत्तं वज्रं ॥ न इयं विविग्धा कं
 चन्द्रमस्तु वायविहाकां ऊँ वज्रं वागमय यय रीं वक्तुं वक्तुं मक्तुं मूर्खं द्विजं ऊँ वज्रं
 कञ्चायध्वं वज्रं वागमय विरुद्धं वज्रं द्विजं मय रवीं ॥ या ऊँ सर्वं नमस्तस्य ॥
 ४ ॥ यथा ॥ वज्रं वागमय ॥ १०६ ॥ यथा ॥ वज्रं वागमय नमस्तस्य ॥
 यथा ॥ यथा ॥ वज्रं वागमय नमस्तस्य ॥ ४ ॥ ॥

सर्वरक्षणकर्ममानिद्यागनमभिविवाधिसर्वविनायकः स्वहृद्विजयः ॥ या ॥ ॐ सर्वगतः ॥ ॐ व
ज्रयक्रुद्धं ॥ या ॥ ॐ सर्वरक्षणकर्ममानिद्यागनमभिविद्धं ॥ यं ला सु ॥ निद्यागनमभिविद्याना नवि
नयगतावनादसुगर्जिनं न जडाध्वं च भामुन ॥ १ ॥ गतालास्याः सठिनिर्वका
वर्जं नद्वयनिविश्याकुरुच्यविश्रुद्धं कावर्जं वज्रद्वयं यत्नं न लययर्थं निष
स्मृत्सूयरात्रमकुटीनिविचिन्नानावत्ताहवसाधिरुक्तेकमूर्खी प्रकृष्टी मूढया
लुआर्थावज्रद्वयं विनगीवज्रलाभ्याविनायकः स्वहृद्विजयः मयूखी कर्णे हानसख ॥ ॐ

सर्वगतः ॥ ॐ वज्रयक्रुद्धं ॥ या ॥ ॐ वज्रलाभ्यं ॥ यं ला सु ॥ वज्रलाभ्यं मला
लाभ्यं सर्वनीलायदगकः सर्वरात्रवत्वेलाभ्यं लाभ्यं कज्जन्मदं ॥ ६ ॥ ॥ ॥
सठिनिर्वकावर्जं नद्वयनिविश्याकुरुच्यमलुलसखयर्थं कनिखस्मृद्धं कावर्जं सूर्य
युर्नीलवर्णं विचिन्नासर्ववत्तावधनादिरुक्तेकमूर्खी सखवज्री स मनयश्च सूरिक
वक्रवज्रधवावाभयागधलासखवज्री विनायकः स्वहृद्विजयः ॥ ॐ सर्वगतः ॥ ॐ वज्रयक्रु
द्धं ॥ या ॥ ॐ सखवज्री ॥ यं ला सु ॥ सखवज्री महामाननीलायवसमयरात्रादि

सिद्धियदागारसत्त्ववर्जिनमामुर्न ॥ ९ ॥ धूपाया ॥ पटितिवकाय ॥ नदयविविष्म
 द्रवचमसुल्लिखिद्वंकावर्जधूयकठद्वकर्मरुर्न सत्त्वपर्यकनिषस्मिन्नवस्मिन्नसूययु
 मानवमसुटिनिविबिगावर्लीयवधर्वदिकुउकमुखीमुआर्याधूयकचूकधाविनीधूयय
 मानवजधूयामिगावधूयद्वद्विज ॥ १० ॥ सत्त्ववर्जमामुर्न ॥ उवयकद्वं ॥ याय ॥ उवमर्गे
 धूयर्ग ॥ यलाग्यमु ॥ वजधूयामदाधूयामवेलाकवधूयानमसुसुर्गधूयस्मनीधू
 याजीनमाम्यर्ग ॥ १० ॥ ॥ गन्धद्वसि ॥ पटितिवकावर्ज ॥ नदयविविष्मद्व

चन्द्रविम्बहं कावर्जं सुखासननिषरुं सूर्ययज्ञाङ्गमकुटमणिगविचिग्वत्ताम्रवध
वादिहृङ्क मूरुयायीनवर्त्तुङ्क अनमवगन्धमृत्वागीवधवावामान्यवकागन्धरुमिर्न
वाधिसर्वविगायाश्चन्द्रविङ्क ५ ॥ ६ ॥ सर्वगन्ध ५ ॥ ७ ॥ वज्रयङ्कहं ॥ या ५ ॥ ८ ॥ गन्धरुमिर्न
हं ॥ ९ ॥ ला ५ ॥ १० ॥ यीनाम्रवाधयोधीयाकाञ्चनाम्रद्वगानिनीमवगन्धमृत्वागीर्वगन्धरु
मिर्नमाम्रहं ॥ ११ ॥ १२ ॥ गन्धगन्धमृत्वागीर्वगन्धरुमिर्न
वर्जं सुखासननिषरुं सूर्ययज्ञाङ्गमकुटमणिगविचिग्वत्ताम्रवध
वादिहृङ्क मूरुयायीनवर्त्तुङ्क अनमवगन्धमृत्वागीवधवावामान्यवकागन्धरुमिर्न

एषां शुद्धवज्रवत्तनमात्मनः ॥ १२ ॥

॥ दक्षिणोत्तरायुजयन् ॥ यत्तु न वत्तन ॥ या

मा वागिगन्धमानैरे मन्त्राणि वा लमाय मन्त्र न द्याव द्याव निष्ठिदो न वगन्तमस्य
माना च न गृह्णा य विष्वा य य नाना मी व द्या बो स व ग्ने य य व न द ह गृह्णा सकलं नित्य न
मा दक्षिण ॥ ॥ यत्तु अथ द्याव युजा ला सु ॥ वत्तन मन्त्र व ॥ मटि निर्वका च ॥ न द

व निष्ठि ग्ने य य विष्वा य य नाना मी व द्या बो स व ग्ने य य व न द ह गृह्णा सकलं नित्य न
मा दक्षिण ॥ ॥ यत्तु अथ द्याव युजा ला सु ॥ वत्तन मन्त्र व ॥ मटि निर्वका च ॥ न द

एव सप्तमवधवधवधिष्ठि उ क मूखी सव्य न व जी कि न वत्तन मन्त्रा गु ल्या धृ त्वा व व दारि
न य क्त्वं न वा म मूला न मूला गन्ता व य नै व उ वत्तन मन्त्रा वत्तन मन्त्रा विहा व स द्दी उ म
युखा ॥ ॐ स व न था ॥ ॐ व उ य क दू ॥ या य ॥ ॐ व उ वत्तन गी ॥ य ला सु ॥ व उ वत्तन
मन्त्रा वी व सव्य य का धि य य का धन व न य का य वत्तन गाय न मा मु न ॥ १३ ॥ ॥

व उ या गी म नि निर्व का ॥ न द य वि विष्वा य य नाना मी व द्या बो स व ग्ने य य व न द ह गृह्णा सकलं नित्य न
मा दक्षिण ॥ ॥ यत्तु अथ द्याव युजा ला सु ॥ वत्तन मन्त्र व ॥ मटि निर्वका च ॥ न द

ॐ क मूर्खं शुभं ॐ क मूर्खं शुभं आर्याया गधर्वं वज्र पाणी विनाय ॥ सह ह्रीं ज मयूखी कृष्ण
ज्ञान सत्त्व मा ॥ ॐ सर्वं न धाम ॥ ॐ वज्रं य क हूं ॥ या य ॥ ॐ वज्रं य क हूं ॥ य
ला सु ॥ वज्रं य गी महाया गी हू नय नय मानक वीर सर्वं गुरु सदा वद वी वया गी न मा
म्य हं ॥ १३ ॥ ॥ वज्रं कुरु ॥ सटि गिरि का ॥ गद्वय विविग्ध कुरु चन्द्र विभूति का
वज्रं वज्रं य क हूं ॥ सज्जान सत्त्व यय क निवर्त्तक मूर्खं दि हूं यय यय सर्वं का वरु वि
नं शुभं आर्या स नय कर्ष व नी लवर्त्तक वज्रं कुरु विनाय ॥ सह ह्रीं ज मयूखा ॥ ॐ सर्वं न

धाम ॥ ॐ वज्रं य क हूं ॥ या य ॥ ॐ वज्रं कुरु नी ॥ य ला सु ॥ वज्रं कुरु महा कुरु स कुरु कुरु
वशी ॥ विना मति विवकु ना नी लवर्त्तक न मा म्य हं ॥ १४ ॥ ॥ वज्रं हाम ॥ स सटि गि
रि का वज्रं ॥ गद्वय विविग्ध कुरु चन्द्र मयु लाय विहं का वज्रं ॥ ह सिन द नय कि सी ज्ञान स
त्त्व यय क निवर्त्तक विनवर्त्तक सूर्य यय वत्स म कृति न विविग्ध वत्स म वध र्ष दि हूं क म
खं शुभं आर्या द नय कि दा स मू द धर्व वज्रं दा सी विनाय ॥ सह ह्रीं ज मयूखा ॥ ॐ सर्वं न
धाम ॥ ॐ वज्रं य क हूं ॥ या य ॥ ॐ वज्रं हाम हूं हूं ॥ य ला सु ॥ वज्रं हाम हाम हाम हाम

मण्डुकमुदकिनी ॥ मण्डुकमुदकी महासुता वज्रदास नमोस्तुते ॥ १६ ॥ ॥ गगन
३३ ॥ मण्डिकिर्वकावर्ज ॥ गद्यविविधक वन्द्यविश्वद्वंकावजा नमदासननिषर्त्तया
नवर्त्तसूर्ययुर्गजठामकु नमस्तु न विचिन्तयन्नाह वत्स मवधर्व द्विजु अक मूर्खदक्षिण
लकु अयथायवियुक्तक वामनक मस्तु धर्व काष्ठ नमर्ग गगन गगन विगाय ॥ लक्ष्मी
जमयुखा ॥ ॐ सर्वमथाग ॥ ॐ वज्रयक कर्क ॥ या य ॥ ॐ गगन गगन यद्वं ॥ यल
मु ॥ यीनवर्त्त सदागजा जठामकु नमस्तु न विचिन्तयन्नाह वत्स मवधर्व द्विजु अक मूर्खदक्षिण

मुन ॥ १७ ॥ हानककु ॥ मण्डिकिर्वकावर्ज ॥ गद्यविविधक वन्द्यविश्वद्वंकावर्ज
नमदासननिषर्त्तनीलवर्त्तसूर्ययुर्गजठामकु नमस्तु न विचिन्तयन्नाह वत्स मवधर्व
द्विजु अक मूर्खदक्षिण लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी लक्ष्मी
कुमदास लविगाय ॥ लक्ष्मी जमयुखा ॥ ॐ सर्वमथाग ॥ ॐ वज्रयक कर्क ॥ या य
ॐ हानककु ॥ यल ॥ हानककु महासुता वज्रदास नमोस्तुते ॥ नमस्तुते सदा
नन्द नीलवर्त्त नमोस्तुते ॥ १८ ॥ ॥ वज्रमाला ॥ मण्डिकिर्वका ॥ ॥

नद्यविविग्ना फलमस्तुवायविर्गाकारसंज्ञागमलवयं कनिषत्कयीवत्किञ्चुके
 कमलं वल्लमकुटिनं विविग्नं वल्लमस्तुवधवं गमनं चूयं तु आर्या वल्लमा लाघवा सोमचूयक
 मालाविशया ॥ सुदृढिजमयुखाकुली ॥ डं सर्वगथाग ॥ डं वज्रयकहं ॥ आयायु ॥ डं
 वमाल्युगौ ॥ यं ला मु ॥ वज्रमाला महामाला सुग्या ममतिष्ठ वलीयोनवस्त्री वीगमकी ॥
 वल्लमाला नमामुने ॥ २१ ॥ X ॥ वल्लवज्र ॥ मठिनिर्वकावज्रं ॥ नद्यविविग्नाय
 अस्तु मस्तुलवत्संज्ञागहं कारवज्रययकनिषत्कयी नवस्त्री वल्लमकुटिनं विविग्न

वल्लमस्तुवधवादिचुके कमलं सव्यमुज नव वल्लवत्तारिखक कृगावाममूसल्लयिनीव
 जयत्तरीविशया ॥ सुदृढिज ॥ डं सर्वगथाग ॥ डं वज्रयकहं ॥ आयायु ॥ डं वज्रवत्
 हं ॥ यं ला मु ॥ वज्रवत्तमदानं जा का ॥ ३३ ॥ नावस्त्री (गमिनाय वल्लारिखककार्यं न वल्लन
 मामुने ॥ २२ ॥ X X ॥ X X X
 इति नमो श्रील्लिकाय ॥ अखल्लामल्ललाकारं व्रापदं सव नाव न तस्य दं दणि
 तं अन तस्यो गुरु पूर्व नमः ॥ ३४ ॥ गुरुवत्तु गुरु चमो गुरु सव तल्ले वव गुरु वज्रवत्तु ॥

हिमहावलिप्रतिगङ्गागङ्गादहदहययययखखखाहिखाहि। लुङ्गुङ्गुविद्युतेवच
यलवलिप्रतिगङ्गागङ्गाङ्गीरुदसाहा॥ धृतिवलिविमविधि॥ मातृतावनसकासखग
रुताकविदूकंनकासत्रपिसहादवी। उगावल्लनसमुत्त॥ मुनियकुवहावडा॥ धृगडगचल
यडा॥ सुखायागृधतंवडा। उग्रमालाकंविदूकं। उक्तात्मावाहयदवी। ध्यानपुष्पन्नसमुत्त॥
ॐङ्गीष्टीहँरु४७यागसविद्यानागमहँरुसाहा॥ कठयानसमुत्त॥ ॐब्रह्मायलीवक्रला
ब्रवमनाब्रवत३ष्टीष्टीहँरुदसाहा॥ सानताभा॥ ॐरुदुक्तायलीनम४साहा॥ आवाह

नमस्तु ॐ हं वज्रवल्गुनमस्तु ४ साहास्रं नमस्तु ॥ वलि विमा ॐ हं श्री नी त्रिभुवनं कां हं द्या
दि ॥ प्रज्ञायती वर्धयिता रा ॥ ओं का न विजसं हव नसाय विदु पाठ कु नमस्तु नं सवा
ह नि ॥ यत्कु पसा न पुजा ॥ धनं प्रज्ञा नी पुजा ॥ मभय कया लक मर्क न जल गि ति
मन नृजा न्या वा ह देवी ॥ ध्यान वष नमस्तु न ॥ ध्या न ॥ ॐ श्री गौ हं ह ४ का न गि नि वि द्य न
डा य हं रुद्र साहा ॥ श्रुवा नमस्तु ॥ क रूडा नी नूड लाक अ वग न अ वग नं ॐ हं रुद्र
साहा ॥ सा न ता न ॥ ॐ रुद्र रूडा नी नमस्तु ४ साहा ॥ आ वा ह नमस्तु ॥ ॐ हं रुद्र वल्गु नमस्तु ४ साहा ॥ म
नमस्तु ॥ वलि विमा ॐ हं श्री नी त्रिभुवनं कां हं द्या दि ॥ नृजा नि रु न ज्ञा न रा क का न विजसं रा

नो नसाय विदु पाठ कु नमस्तु न वष वरु नी ॥ रु नि ॥ नृजा य ती पुजा ॥ ॥ विदु कं श कि रु स वरु
प कि जय म लि ती न कु मा र्या वरु म देवी ॥ ध्यान वष नमस्तु न ॥ ध्या न ॥ ॐ श्री गौ हं ह ४ अ व द ह स
वि द्य न ॥ डा य हं रुद्र साहा ॥ श्रुवा नमस्तु ॥ च कु मा लि ड मा ला क अ वग न अ वग नं ॐ हं रुद्र
साहा ॥ सा न ता न ॥ ॐ रुद्र का म पि नमस्तु ४ साहा ॥ आ वा ह नमस्तु ॥ ॐ हं नृजा वल्गु नमस्तु ४ साहा ॥ म नमस्तु ॥
वलि विमा ॐ हं श्री नी त्रिभुवनं कां हं द्या दि ॥ का मा नी व कि न क र ता य का न वी ज सं रु का सा य विदु पाठ कु
नमस्तु नं मय ना स नि ॥ रु नि ॥ कु मा नि पुजा ॥ श्रुवा नमस्तु ४ साहा ॥ अ व द ह स वरु म देवी ॥ ध्यान वष नमस्तु न ॥ ध्या न ॥ ॐ श्री गौ हं ह ४ अ य नि वि द्य न ॥ डा य हं रुद्र साहा ॥



Handwritten text in a script, possibly Devanagari, consisting of several characters arranged in two lines.



ASHA ARCHIVES
2049



ASHA ARCHIVES
2049

HEER
DIE
E

रविद्वर्गस्वर्गं नमः, वाद्ययन्त्रमनीवसनं नयामुल्लासकं नमः, ध्यानपथं नमः ॥
ध्यान ॥ ॐ श्री गौ हं ह ४ दवीकाठस्य विद्युना ज्ञाय हं रं दु साहा ॥ अगुपानमः ॥ ॐ यवामः
अडमालाकं ज्वनना ज्वननं शीघ्रं हं रं दु साहा ॥ सीगाना ॥ ॐ रं रं गं वासुल्लयनमः ॥
हाज्जावाहनमः ॥ ॐ हं कालचलुनमः ॥ साहा ॥ मूनमः ॥ वपि विद्या ॥ ॐ श्री नीनजीमि
कं सा ॥ वासुल्लनकवायुव्यकालविज्ञातवासाय ध्वविद्यागुहं नमः मुने मूलुवा
हनी ॥ धनं वासुल्लपूजा ॥ ॥ वाद्ययन्त्रमकठिवायुवर्गं नमः विद्वत्कालीकावा

हदवी, ध्यानपथं नमः ॥ ध्यान ॥ ॐ श्री गौ हं ह ४ वपिगुह्यविद्युना ज्ञाय हं रं दु
साहा ॥ अगुपानमः ॥ ज्ञामलाल श्रीडमालाकं, ज्वननना ज्वननं, शीघ्रं हं रं दु साहा
सागाना ॥ ॐ रं रं मलान श्रीनमः ॥ साहा ॥ ज्जावाहनमः ॥ ॐ अग्रचलुनमः ॥ साहा ॥
मूनमः ॥ वपि विद्या ॥ ॐ श्री नीनजीमूत ॥ मलाल श्रीसाननी या राठाकायविज्ञ
संक्रुवासाय ध्वविद्यागुहं नमः मुने सिद्धवाहनी ॥ धनं मलाल श्रीपूजा ॥
ॐ श्री दग्गपूजा विधिसमार्थ ॥ ॥ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

~~|| ॥ १५ ॥ २० ॥ २५ ॥ ३० ॥ ३५ ॥ ४० ॥ ४५ ॥ ५० ॥~~

[illegible]

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णाय नमः ।

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥३॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

